DR ANWAR ALAM

UG HISTORY (HONS) SEM - VI

24 June 2020

PAPER - CC - 14

NON ALIGNMENT MOVEMENT

गुट निरपेक्ष आन्दोलन

द्वितीय विश्व युद्ध के अपार नरसंहार के उपरान्त संसार से युद्ध का खुमार उतर चुका था और युद्ध की समाप्ती पर दो महान शक्ति का जन्म हुआ था एक संयुक्त राज्य अमेरिका के रुप में और दूसरा सोवियत संघ के रुप में और फिर दुनिया शीत युद्ध की ओर बढ़ गयी थी। क्योंकि इन दोनों ने अपना अपना शक्तिशाली गुट बनाना आरम्भ कर दिया था और एक दूसरे को शंका की दृष्टि से देख रहे थे। इस गुटबन्दी के कारण दुनिया के बहुत सारे देशों के बीच अपने अस्तित्व को लेकर एक प्रश्नचिन्ह पैदा हो गया था ये देश किसी भी आने वाले युद्ध की दस्तक से सहमें हुये थे। इनमें से बहुत सारे देशों को उपनिवेशवाद से स्वतंत्रता मिली थी। स्वंय भारत भी उसी श्रेणी में शामिल था। ये देश अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए किसी भी महाशक्ति में सम्मिलित नहीं होना चाहते थे। महाशक्ति की अवधारणा तथा साम्राज्य-वाद के वर्चस्व को अस्वीकार करते हुये 1950ई० के दशक में नये देशों के व्यक्तिगत प्रयासों को समन्वित करने की प्रक्रिया आरम्भ हुई। इन देशों ने स्वय को दोनो गुटों से दूर रखते हुये एक समूह गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की स्थापना की। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य नवीन देशों के हितों की सुरक्षा करना था।

गुटनिरपेक्ष की ओर पहला अहम कदम "बाडुंग सम्मेलन" (इन्डोनिशिया) वर्ष 1955ई० के माध्यम से उठाया गया। जिसमें भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु, मिश्र के

अब्दुल नासिर, इंडोनेशिया के सुकार्नो, युगोस्लाविया के मार्शलटीटो जैसे नेताओं ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में विश्व शांति और सहयोग संवर्द्धन संबंधी घोषणा पत्र जारी हुआ।

किन्तु इसमें गति 1961 ई० के बेलग्रेड (युगोस्लाविया) सम्मेलन से आयी। जिसमें 25 गुटनिरपेक्ष देशों के राज्याध्यक्षों ने भाग लिया। जिसमें अधिकतर देश एशिया और अफ्रीका महाद्वीपों के थे। एक बार फिर इस सम्मेलन में अहम भूमिका निभाने वाले महान नेताओं में मुख्यरूप से मार्शल टीटो, जवाहरलाल नेहरू, कर्नल नासिर और सुकार्नो जैसे नेता थे। गुटनिरपेक्ष आन्दोलन (NAM) का दूसरा सम्मेलन काहिरा (मिश्र) में 1964 ई० में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में पश्चिमी उपनिवेशवाद और विदेशी सैनिक प्रतिष्ठानों के अवधारण (Retention) की भर्त्सना की गयी। NAM का तीसरा सम्मेलन 1970 ई० के लुसाका में हुआ जिसमें नियमित रूप से गुटनिरपेक्ष राज्यों का सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 1973 में अल्जीयर्स में चौथा सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें गुटनिरपेक्ष राज्यों की सूची गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने के लिए समन्वक ब्यौरो का औपचारिक रूप से गठन किया गया। बेलग्रेड शिखर सम्मेलन 1989 में आयोजित हुआ।

संरचना Structure :→ गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के संगठनात्मक ढांचे में राष्ट्राध्यक्षों के सम्मेलन, विदेश मंत्रियों की बैठक और समन्वय ब्यूरो सम्मिलित हैं तथा यह सम्मेलन प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर आयोजित होता है। सम्मेलन आयोजित करने वाले नवीनतम मेजबान देश के मुख्यकार्यकारी पदाधिकारी गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। राष्ट्राध्यक्षों के सम्मेलन में लिये गये निर्णयों

के क्रियान्वन के लिये सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की प्रत्येक वर्ष बैठक होती है।

संयुक्त राष्ट्रसंघ के बाद विश्व स्तर पर गुटनिरपेक्ष आन्दोल -न (NAM) दूसरी बड़ी संस्था है। वर्तमान में अब तक इस संगठन के 120 सदस्य और 17 पर्यवेक्षक देश हैं।

Objective Of Non-Aligned Movement
गुट निरपेक्ष आन्दोलन का उद्देश्य :-

अमेरिकी गुट के पूंजीवादी विचारधारा और सोवियत संघ गुट के समान-वादी विचारधारा से अलग हट कर इन देशों ने तय किया कि वे किसी भी गुट में शामिल न होकर गुटनिरपेक्ष रहें ताकि उनके संबंध किसी भी देश से खराब नहीं हों।

गुटनिरपेक्ष आन्दोलन राष्ट्रों की स्वतंत्रता क्षेत्रीय एकता एंव सुरक्षा पर बल देता है साथ ही साम्राज्यवाद, जातिवाद, रंग भेद एंव विदेशी आक्रमण, सैन्य हस्तक्षेप आदि का विरोध करता है साथ ही किसी पावर ब्लॉक का हिस्सा बनने का भी विरोध करता है। साथ ही गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों की निष्पक्ष छवि पर भी बल देता है। हालांकि वैश्विक परिदृश्य पर राजनीतिक परिस्थितियाँ और मुद्दे बदलते रहते है इसलिये बाद के समय में इस पर प्रश्नचिन्ह भी लगने लगा और देशों का इस समूह के प्रति आकर्षण कम होने लगा किन्तु आज भी निम्नलिखित मुद्दों पर इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है जैसे—

1. जलवायु परिवर्तन को लेकर विभिन्न देशों के साथ विवाद
2. विश्व में गुटबाजी की वजह से कई देशों में संघर्ष
3. शरणार्थी समस्या

4. एशिया - प्रशान्त क्षेत्रों में शक्ति संतुलन हेतु टकराव की स्थिति।

5. आतंकवाद का मुद्दा।

6. नव साम्राज्यवाद के तहत राजनीतिक कूटनीति।

7. ऋण जाल (Debt Trap) की राजनीति।

8. साईबर हमले और अंतरिक्ष के प्रयोग की अंधाधुंध प्रतिस्पर्द्धा।

×—×—×—×